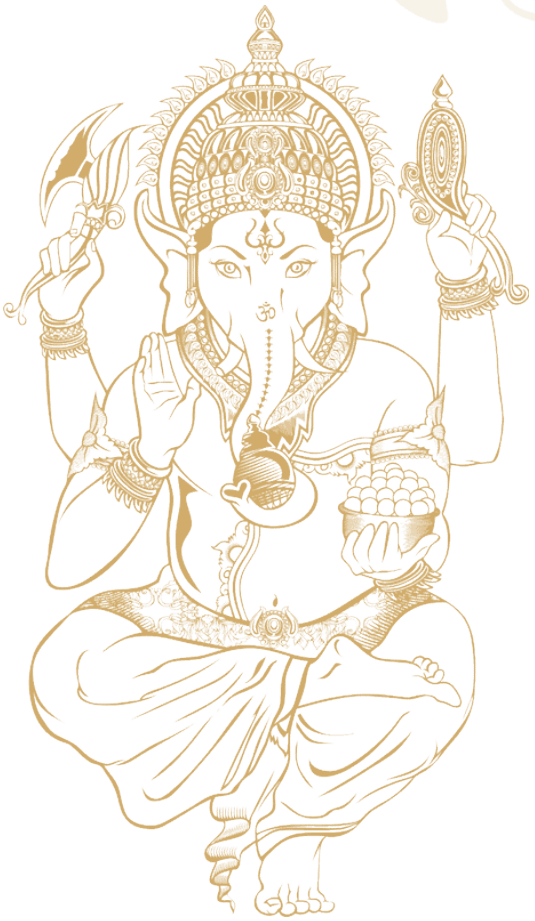

Mr.

19 Aug 1997

04:22 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 119834708

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/08/1997**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:22:00 घंटे**
इष्ट	55:03:24 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:43:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	01:32:41 घंटे
सूर्योदय	06:20:38 घंटे
सूर्यास्त	19:03:59 घंटे
दिनमान	12:43:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:11:15 सिंह
लग्न के अंश	04:36:18 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:36:18	320:50:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	02:11:15	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	09:14:22	15:08:38	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	09:01:02	00:37:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध	व		सिंह	22:20:57	00:06:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मक	21:57:54	00:07:35	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			कन्या	07:46:41	01:11:15	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मीन	26:16:59	00:01:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:59:56	00:01:27	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:59:56	00:01:27	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:05:25	00:02:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:00:27	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:00:47	00:00:11	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	01:10:59	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:25

लग्न-चलित

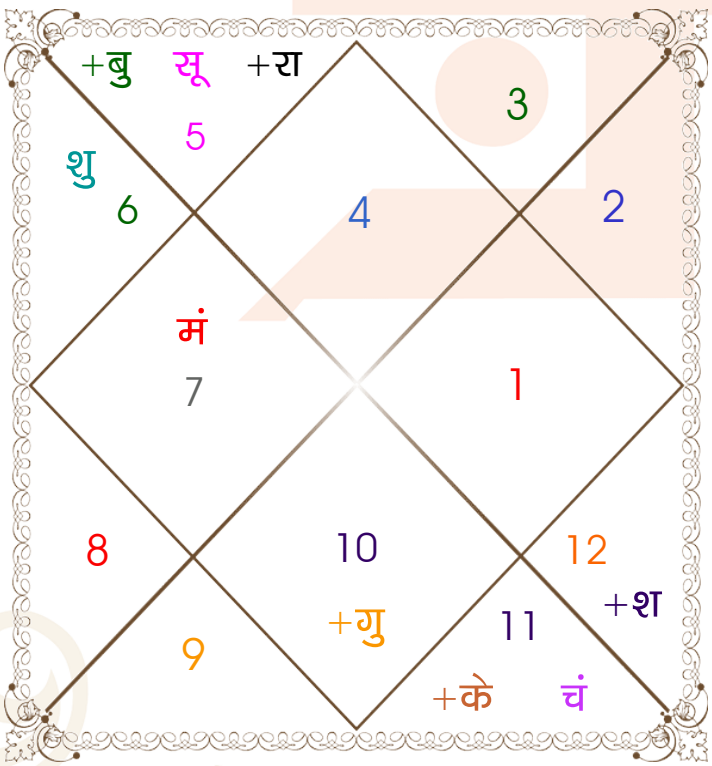

चन्द्र कुंडली

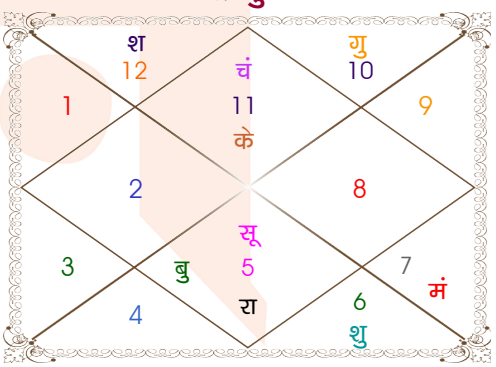

नवमांश कुंडली

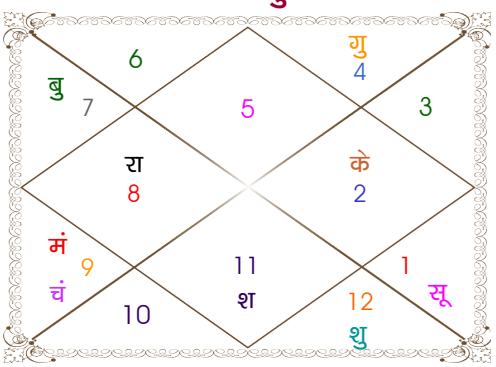

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 6 मास 9 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/1997		28/02/2012		28/02/2028		27/02/2047		28/02/2064	
28/02/2012		28/02/2028		27/02/2047		28/02/2064		27/02/2071	
	19/08/1997	गुरु	17/04/2014	शनि	02/03/2031	बुध	26/07/2049	केतु	26/07/2064
गुरु	05/04/1999	शनि	28/10/2016	बुध	10/11/2033	केतु	23/07/2050	शुक्र	25/09/2065
शनि	09/02/2002	बुध	03/02/2019	केतु	19/12/2034	शुक्र	23/05/2053	सूर्य	31/01/2066
बुध	28/08/2004	केतु	10/01/2020	शुक्र	18/02/2038	सूर्य	30/03/2054	चंद्र	01/09/2066
केतु	16/09/2005	शुक्र	10/09/2022	सूर्य	31/01/2039	चंद्र	29/08/2055	मंगल	28/01/2067
शुक्र	16/09/2008	सूर्य	29/06/2023	चंद्र	31/08/2040	मंगल	25/08/2056	राहु	15/02/2068
सूर्य	10/08/2009	चंद्र	28/10/2024	मंगल	10/10/2041	राहु	15/03/2059	गुरु	21/01/2069
चंद्र	09/02/2011	मंगल	04/10/2025	राहु	16/08/2044	गुरु	19/06/2061	शनि	02/03/2070
मंगल	28/02/2012	राहु	28/02/2028	गुरु	27/02/2047	शनि	28/02/2064	बुध	27/02/2071

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/02/2071		27/02/2091		27/02/2097		28/02/2107		28/02/2114	
27/02/2091		27/02/2097		28/02/2107		28/02/2114		00/00/0000	
शुक्र	29/06/2074	सूर्य	17/06/2091	चंद्र	28/12/2097	मंगल	28/07/2107	राहु	10/11/2116
सूर्य	29/06/2075	चंद्र	17/12/2091	मंगल	29/07/2098	राहु	14/08/2108	गुरु	20/08/2117
चंद्र	27/02/2077	मंगल	22/04/2092	राहु	28/01/2100	गुरु	21/07/2109		00/00/0000
मंगल	29/04/2078	राहु	17/03/2093	गुरु	30/05/2101	शनि	30/08/2110		00/00/0000
राहु	29/04/2081	गुरु	03/01/2094	शनि	29/12/2102	बुध	27/08/2111		00/00/0000
गुरु	29/12/2083	शनि	16/12/2094	बुध	30/05/2104	केतु	23/01/2112		00/00/0000
शनि	27/02/2087	बुध	23/10/2095	केतु	29/12/2104	शुक्र	24/03/2113		00/00/0000
बुध	28/12/2089	केतु	28/02/2096	शुक्र	30/08/2106	सूर्य	30/07/2113		00/00/0000
केतु	27/02/2091	शुक्र	27/02/2097	सूर्य	28/02/2107	चंद्र	28/02/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।